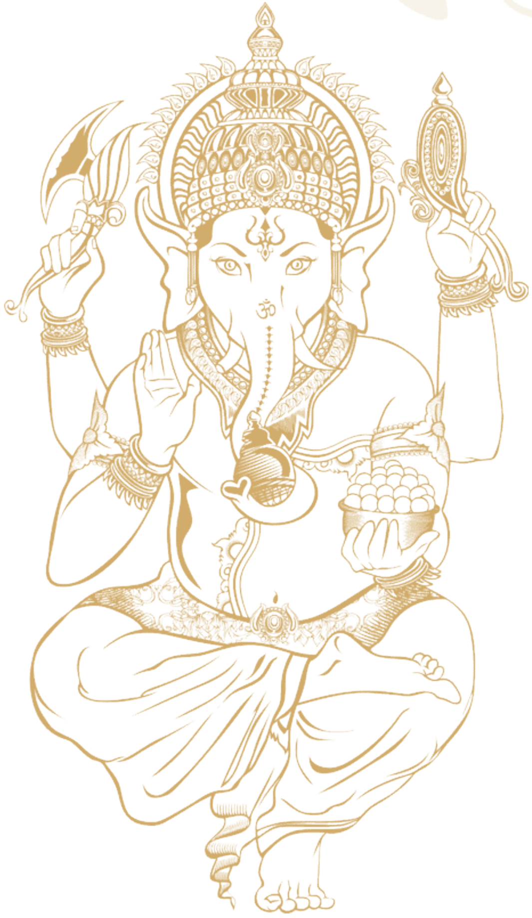

???? ??????????

23 Apr 1982

08:10 PM

Jhusi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121732206

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/04/1982**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:10:00 घंटे**
इष्ट	36:31:36 घटी
स्थान	**Jhusi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:26:00 उत्तर
रेखांश	81:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:07:36 घंटे
वेलान्तर	00:01:36 घंटे
साम्पातिक काल	10:12:52 घंटे
सूर्योदय	05:33:21 घंटे
सूर्यास्त	18:28:43 घंटे
दिनमान	12:55:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:30:25 मेष
लग्न के अंश	02:22:16 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	नाग
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चिक	02:22:16	312:00:35	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मेष	09:30:25	00:58:30	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			मेष	06:12:23	14:34:33	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल	व		कन्या	08:55:46	00:14:13	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			मेष	22:30:11	01:57:10	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		तुला	12:09:41	00:07:39	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	24:23:35	01:05:08	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	24:12:45	00:04:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	22:37:37	00:10:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	22:37:37	00:10:58	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चिक	10:12:13	00:02:01	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप	व		धनु	03:16:21	00:00:47	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	01:43:35	00:01:41	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			सिंह	07:34:20	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:18

लग्न-चलित

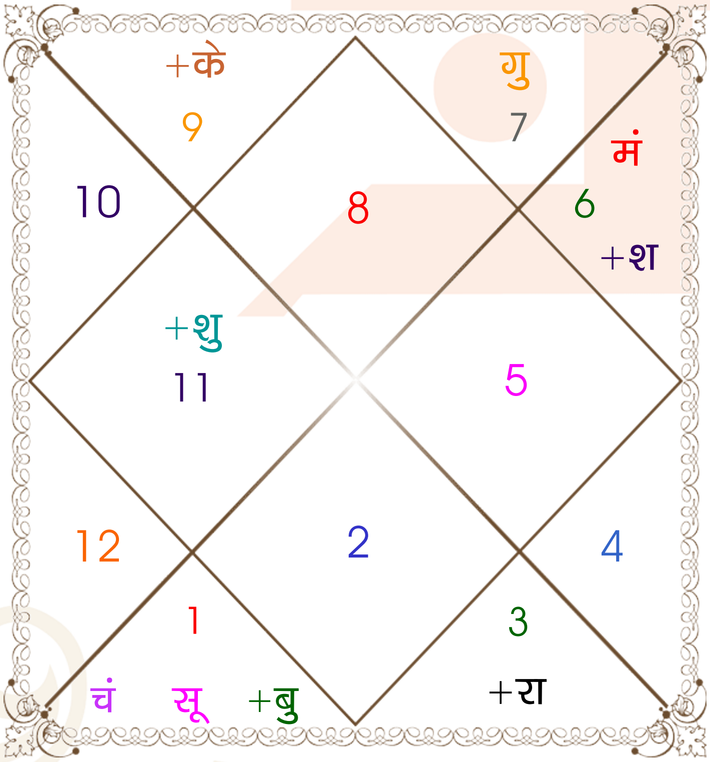

चन्द्र कुंडली

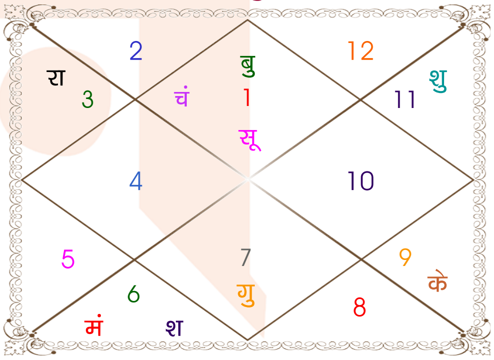

नवमांश कुंडली

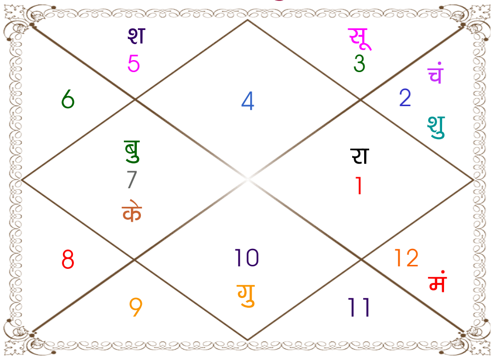

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 8 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/04/1982		19/01/1986		19/01/2006		19/01/2012		19/01/2022	
19/01/1986		19/01/2006		19/01/2012		19/01/2022		19/01/2029	
	00/00/0000	शुक्र	20/05/1989	सूर्य	09/05/2006	चंद्र	19/11/2012	मंगल	17/06/2022
	00/00/0000	सूर्य	21/05/1990	चंद्र	07/11/2006	मंगल	20/06/2013	राहु	06/07/2023
	00/00/0000	चंद्र	19/01/1992	मंगल	15/03/2007	राहु	20/12/2014	गुरु	11/06/2024
	00/00/0000	मंगल	21/03/1993	राहु	07/02/2008	गुरु	20/04/2016	शनि	20/07/2025
	23/04/1982	राहु	20/03/1996	गुरु	25/11/2008	शनि	19/11/2017	बुध	18/07/2026
राहु	07/01/1983	गुरु	19/11/1998	शनि	07/11/2009	बुध	21/04/2019	केतु	14/12/2026
गुरु	14/12/1983	शनि	19/01/2002	बुध	13/09/2010	केतु	20/11/2019	शुक्र	13/02/2028
शनि	22/01/1985	बुध	19/11/2004	केतु	19/01/2011	शुक्र	20/07/2021	सूर्य	20/06/2028
बुध	19/01/1986	केतु	19/01/2006	शुक्र	19/01/2012	सूर्य	19/01/2022	चंद्र	19/01/2029

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/01/2029		19/01/2047		19/01/2063		19/01/2082		19/01/2099	
19/01/2047		19/01/2063		19/01/2082		19/01/2099		00/00/0000	
राहु	02/10/2031	गुरु	08/03/2049	शनि	22/01/2066	बुध	17/06/2084	केतु	17/06/2099
गुरु	25/02/2034	शनि	20/09/2051	बुध	01/10/2068	केतु	14/06/2085	शुक्र	17/08/2100
शनि	31/12/2036	बुध	26/12/2053	केतु	10/11/2069	शुक्र	14/04/2088	सूर्य	23/12/2100
बुध	21/07/2039	केतु	02/12/2054	शुक्र	10/01/2073	सूर्य	18/02/2089	चंद्र	24/07/2101
केतु	07/08/2040	शुक्र	02/08/2057	सूर्य	23/12/2073	चंद्र	21/07/2090	मंगल	21/12/2101
शुक्र	08/08/2043	सूर्य	21/05/2058	चंद्र	24/07/2075	मंगल	18/07/2091	राहु	24/04/2102
सूर्य	02/07/2044	चंद्र	20/09/2059	मंगल	01/09/2076	राहु	03/02/2094		00/00/0000
चंद्र	01/01/2046	मंगल	26/08/2060	राहु	09/07/2079	गुरु	11/05/2096		00/00/0000
मंगल	19/01/2047	राहु	19/01/2063	गुरु	19/01/2082	शनि	19/01/2099		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 8 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।